और मरम्मत करना सीख लें और अपने आप अपना काम चला सकें ?

श्री फ़खरुद्दीन अली अहमद : यह पम्प सेट जो हैं जैसा कि मैंने बताया ज्यादातर प्राइवेट इंडस्ट्रीज बनाती हैं और मैं यह समझता हूं कि पंचायत का यह फर्ज है कि जब कि पपग सेट गांवों में इस्तेमाल किए जा रहे हैं तो किस तरह से उनकी मरम्मत की जाय उसके बारे में सोच समझ कर वह पंचायत वाइज या जिले वाइज इस काम को ले तो ज्यादा उससे उनको लाभ हो गा ।

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : पंचायत ही सारे काम कर ले तो सरकार क्या करेगी?

Shrimati Lakshmikanthamma: In the report submitted to this House on the Demands for Grants relating to the Ministry of Agriculture it is said that the units of pumping sets will be increased three-fold. Keeping in view the extensive demand for pumping sets from the Ministry of Agriculture and also the crash programme that will be taken up, may I know whether Government will take care to see that these programmes do not suffer due to want of pumping sets?

Shri F. A. Ahmed: No, Sir; it will not suffer. I may inform the hon. Member that the production of pump sets has increased according to the assurance given by the Food Ministry. In 1961 the production was 1,73,000; in 1965 it shot up to 2,18,000 and in 1966 to 2,93,000. Very soon we shall be reaching the target fixed for the Plan.

Shri Jyotirmoy Basu: We are going to produce baby tractors and these baby tractors can be used for running the pump sets. Has that been borne in mind by the persons who are designing this?

Shri F. A. Ahmed: That will be kept in view.

Drinking water in Railway compartments

***1442. Shri Yashpal Singh:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to provide drinking water in Railway compartments; and

(b) if so, when a decision is likely to be taken in the matter?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. C. Jamir): (a) The proposal has already received consideration and has been introduced in certain long as well as short distance trains. Railways have also been advised to progressively extend this facility to cover important long distance trains, after making satisfactory arrangements to provide this service.

(b) Does not arise.

श्री यशपाल सिंह : सरकार ने इसे बात पर गौर किया है कि एयर कंडीशन में इतना पानी होता है और जो लोग ठन्डे में चलते हैं जिसमें कभी प्यास नहीं लगती उनके लिए तो पानी हमेशा भरा रहता है और जिनकी कमाई यह सरकार जाती है और जो रात दिन टैक्स देते हैं उनको पानी नहीं मिलता ? क्या सरकार इस बात पर विचार करेगी कि एयर कंडीशन और फर्स्ट क्लास को छोड़ कर के सबसे पहले थर्ड क्लास में पानी का इन्तजाम किया जाय?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Shri Parimal Ghosh): In accordance with the policy to improve the amenities in the third class and other compartments, the Railways have already taken the measures to provide water containers in the third class sleeper

coaches as well as first class corridor type coaches on certain trains. This programme has been introduced since 1964 and gradually, the instructions are, this programme would be extended to more and more trains. Now this facility is provided only on some Mail and Express trains and not on any passenger trains. Arrangements are being made so that water containers could be provided in I class corridor type and III class sleeper coaches on all important long distance trains by stages.

श्री यशपाल सिंह : कुछ यह साफ नहीं हुआ कि आप कितना इसमें रुपया खर्च करना चाहते हैं ? मेरा ऐसा ख्याल है कि अगर आप यह फर्स्ट क्लास और एयर कंडीशन को बन्द कर दें तो आपको एक्सेट्रा फंड लगाना नहीं पड़ेगा और सारी जनता के लिए पानी का इंतजाम हो जायगा। तो क्या आप बतला सकते हैं कि इसके लिए कितने फंड्स की आपको जरूरत पड़ेगी ?

Shri Parimal Ghosh: No, Sir; the providing of water containers is not being held up for want of funds. The matter has already been taken up and arrangements are being made for introducing these on other trains.

Shri S. Kandappan: Even in places where there is provision of supplying of filtered water for drinking, in many cases it is kept in open buckets and all kinds of dirty utensils are put into them. In regard to the taps, the place is so dirty that it is revolting even to approach the tap, let alone drink water from it. I would like the Minister to see that drinking water is kept properly neat and clean.

Shri Parimal Ghosh: That will be taken into consideration.

श्री रवि राय : अध्यक्ष महोदय, यह अहम मसला है। मंत्री महोदय ने कहा कि फंडस की कमी की वजह से यात्री लोगों के लिए पीने के पानी का इंतजाम नहीं कर रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि एयर कंडीशन और पहले दर्जे के इस तरह के खर्चीले क्लास रेलवे में हैं और सारे के सारे जो रेलवे मंत्रालय के अफसर हैं उस सारा दृष्टि सिर्फ फर्स्ट क्लास के और बड़े लोगों को सुविधा देने के ऊपर रहती है तो जब तक यह खर्चीले दर्जे फर्स्ट क्लास और एयर कंडीशन के रेलवे खत्म नहीं करते तब तक तीसरे दर्जे के लिए पीने के पानी का इंतजाम नहीं हो सकता तो वह कब तक खत्म करेंगे ?

Shri Parimal Ghosh: The question is about providing water in railway compartments and not whether we are going to do away with the air-conditioned or first-class coaches. As I have already stated, adequate arrangements are being made.

श्री रवि राय: फर्स्ट क्लास के लोगों को मिलता है, उनको नहीं मिलता है।

अध्यक्ष महोदय : पानी मिलना है न? व्यवधान . . .

Shri Bishwanath Roy: In view of the fact that with ordinary fittings in the compartments drinking water can be supplied to the passengers, may I know what are the main reasons that are standing in the way of implementing that scheme?

Shri Parimal Ghosh: No, Sir. The provision for supplying drinking water is being made by allowing the water containers in certain trains. Now, for the time being, of course, these water containers are not being supplied to many of the trains. But very soon the arrangement is being made so that the water containers could be supplied to Ist class corridor type and III class sleeper coaches on all important long distance trains by stages.

श्री ओंकार लाल बेरवा: रेलवे की हालत इतनी खराब है कि पीने का पानी तो क्या, लैट्रीन में भी पानी नहीं होता। अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि जल्दी से जल्दी वह इसका इन्तजाम कर रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि कब तक इसका इन्तजाम हो सकेगा? जैसे डी लक्स गाड़ियों के अन्दर आपने ठंडे पानी का इन्तजाम किया है उसी तरह से अगर आप तीसरे दर्जे में गरम पानी की टेंकी भी लगाना चाहें तो कब तक इसका इन्तजाम हो सकेगा?

Shri Parimal Ghosh: I cannot give a specific date within which all these arrangements will be completed. But all endeavours will be made to complete this arrangement as early as possible.

श्री शिव नारायण: रेल का किराया छः गुना बढ़ गया, लेकिन सरकार पानी का इन्तजाम नहीं कर पा रही है।

एक माननीय सदस्य: आपका ही राज है।

श्री शिव नारायण: क्या आपका राज नहीं है?

Mr. Speaker: You should address the Chair. The moment a chance is given to you, you want to fight with them. You put a question.

श्री शिव नारायण: मैं आपके द्वारा सरकार से जानना चाहता हूं कि पानी जैसी चीज का जिसका कोई दाम नहीं देना पड़ता, इन्तजाम करने में सरकार को क्या आपत्ति है?

Shri Parimal Ghosh: As I have already said, all arrangements are being made.

श्री रामावतार शास्त्री: आप जब पानी की बात कर रहे हैं तो उस सिलसिले में मैं बतलाना चाहता हूं कि पूर्वी रेलवे पर जो आसा रेलवे स्टेशन है वहां पर आम जनता और मजदूरों को जो पानी सप्लाई किया जाता है वह बहुत गन्दा होता है। कई बार इसकी तरफ ध्यान दिलाया गया। अतः मैं जानना चाहता हूं कि उस पानी को ठीक करने के लिये क्या अब तक कोई व्यवस्था की गई है। अगर नहीं की गई है तो कब तक की जाने वाली है?

Shri Parimal Ghosh: The question here is about providing water to the compartments. We are not discussing here the question of providing water for a particular station.

श्री रामावतार शास्त्री: क्या स्टेश पर लोगों को पानी नहीं मिलना चाहिये?

पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशनों पर पानी की कमी

*1443. **श्री विभूति मिश्र :**
श्री क० ना० तिवारी :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 17 अप्रैल, 1967 के 'इंडियन नेशन' समाचारपत्र के प्रात. संस्करण में "पूर्वोत्तर रेलवे में पानी की समस्या" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित एक लेख की ओर सरकार का ध्यान दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि सोनपुर, हाजीपुर, थाना मीरपुर, गरहटा, समस्तीपुर, सीवन, कटिहार तथा भटनी रेलवे स्टेशनों में पानी की अत्यधिक कमी है; और

(ग) यदि हां, तो इन स्थानों में पानी की कमी दूर करने के लिये सरकार क्या योजनाएं बना रही है?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. C. Jamir): (a) Yes, Sir.